

IV Semester B.A. Examination, May/June 2018
(CBCS) (2016 – 17 & Onwards) (F + R)
HINDI LANGUAGE – IV
Hindi Upanyas Film Review and Translation

Time : 3 Hours

Max. Marks : 70

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक वाक्य में लिखिए :

(10×1=10)

- 1) सुषमा को लेने नील किस रेलवे स्टेशन गया ?
- 2) सुषमा कालेज के किस एसोसिएशन की प्रेसिडेंट थी ?
- 3) सुषमा की साडी किसने कढ़वाई थी ?
- 4) होस्टल के चौकीदार का क्या नाम था ?
- 5) “पचपन खंभे लाल दिवारें” उपन्यास के रचनाकार का नाम लिखिए।
- 6) प्रिंसिपल सुषमा को क्या बना ना चाहती थी ?
- 7) मिस शास्त्री कौन - सा विषय पढ़ाती थी ?
- 8) मिल फर्म की ओर से कहाँ जा रहा था ?
- 9) सुषमा का परिवार कहाँ रहता था ?
- 10) मीनाक्षी की शादी किससे तय हुई ?

II. किन्हीं दो अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

(2×7=14)

- 1) “अब तो उसके चारों ओर दीवारें खिंच गई थी, दायित्व की कुंठाओं की, अपने पद की गरिमा और परिवार की।
- 2) “तुम एक जिम्मेदारी के पद पर हो, तुम्हें अपनी छात्राओं के सम्मुख एक उदाहरण प्रस्तुत करना है।”
- 3) “मैं नहीं चाहती कि जो कुछ मैंने देखा और सहा, वही मेरे भाई-बहनों के सामने आए।”



SM - 152

(1×16=16)

III. किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए :

- 1) "पचपन खंभे लाल दिवारें" उपन्यास का सार लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
- 2) "पचपन खंभे लाल दिवारें" उपन्यास के अधार पर नील का "चरित्र - चित्रण" कीजिए।

(2×5=10)

IV. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :

- 1) सुषमा
- 2) मीनाक्षी
- 3) निरूपमा

(1×10=10)

V. 1) फिल्म "भाग मिल्का भाग" के पात्रों के अभिनय कर समीक्षा कीजिए।:

अथवा

2) फिल्म "श्री इंडियट" सिनेमा की पट कथा की समीक्षा कीजिए।

10

VI. हिन्दी में अनुवाद कीजिए। :

At the time of being hanged to death Veerapandy Kattabomman Said - "I am not afraid of death; I have no repentance also. I am sacrificing my life for my country", Country is everything for me. It is my sacred duty so sacrifice my life for the country, but I am pained at one point. I am away from my motherland. If I would be in my place protecting the fort and if I had to die protecting the fort I would have left this world happily, but I didn't help my motherland at the time of difficulty and I am away from it. For that now I am repenting."

मरणदण्डनें बलियागुव समयदल्लि वीर पाण्ड्य कट्टबोम्मन् हेलिदनु - "ननगें साविन भयविल्ल; पश्चात्तापवो इल्ल. नानु नन्न देशक्यागि सायुत्तिद्वेने; देशवे नन्न सवस्स. अदक्यागि न्न प्राणवन्नु बलिकोडुवुदु नन्न पवित्र कर्तव्य, अदरे एन्दे एन्दु विषयदल्लि ननगें दुःखिविद, नानु नन्न ताय्याडन्नु बिल्लु होरगिद्वेने. नानु नन्न एरिनल्लिदु नन्न कोठियन्नु कापाडुत्ता कोनेयवरेगो कानाडिकोण्डे सत्तिद्वरे बल संतोषदिन्द ए लोकेवन्नु बिल्लु होरल्लु होरगुत्तिद्वे. अदरे कष्पकालदल्लि नन्न देशके सहायमाडद बन्दुबिल्लु, एग अदक्यागि प्रायश्चित्त माडिकोळुत्तिद्वेने.